7.1.4 WATER CONSERVATION FACILITIES AVAILABLE IN THE INSTITUTION:

- **Rain water harvesting**
- **Borewell /Open well recharge**
- **Waste water recycling**
- **Maintenance of water bodies and distribution system in the campus**

AWARDS

Ministry of Jal Shakti, Government of India under the leadership of Mr. Gajendra Singh Shekhawat honored KMV for its contribution to Environment and water conservation efforts The Ministry in its e-magazine titled Jal Charcha (June 2020 edition).

कन्या महा विद्यालय, जालंधर, पंजाब

21वीं सदी में पूरा विश्व ही जल संकट से जूझ रहा है। कोरोना महामारी ने भारत जैसे देश के लिए इस समस्या को और गहरा कर दिया है। जल एक सीमित संसाधन है जिसका सतत उपयोग आवश्यक है ताकि आने वाली पीढ़ी इस बहुमूल्य धरोहर से वंचित ना रहे। इसी को ध्यान में रखते हुए देश के लगभग सभी स्कूलों और महाविद्यालयों में पर्यावरण अध्ययन को विषय के रूप में शामिल किया गया है जिससे कम उम्र में ही विद्यार्थी इस गंभीर समस्या को समझ कर एक बेहतर समाज का निर्माण कर सकें। यह अत्यंत प्रशंसनीय है कि कई शैक्षणिक संस्थान इस विषय को केवल किताबों तक सीमित नहीं रख रहे हैं बल्कि पर्यावरण की शिक्षा व्यावहारिक स्तर पर भी दे रहे हैं।

जल चर्चा के इस अंक में हम आपको एक ऐसे महाविद्यालय से परिचित कराने जा रहे हैं जो महिलाओं के सशक्तिकरण और क्षमता का बेजोड़ उदाहरण है तथा जिस ने जल संरक्षण के क्षेत्र में काम करके अपनी उपलब्धियों में चार चांद लगा दिए हैं। पंजाब के जालंधर में स्थित कन्या महाविद्यालय एक स्वायत्तशासी महाविद्यालय है, जो महिला शिक्षा और सशक्तिकरण के क्षेत्र में अग्रणीय है। 27 एकड़ में फैला यह महाविद्यालय अपनी स्नातक, स्नातकोत्तर व डिप्लोमा स्तर की शिक्षा के लिए पंजाब या उत्तर भारत में ही नहीं बल्कि पूरे देश में सुप्रसिद्ध है। कॉलेज की प्राचार्या अतिमा शर्मा का कहना है कि वे समग्र व संपूर्ण विकास के सिद्धांत में विश्वास रखती हैं। केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता से समाज सभ्य नहीं बन सकता है इसलिए विद्यार्थियों के लिए 'हॉलिस्टिक अप्रोच' अपनाना आवश्यक है।

कॉलेज द्वारा चलाए जा रहे पर्यावरण केंद्रित अभियान इस बात को सिद्ध करते हैं कि यहां केवल किताबी ज्ञान पर बल नहीं दिया जाता बल्कि उस ज्ञान को असल जीवन में भी प्रयोग कर समस्याएं हल करना भी सिखाया जाता है। हाल ही में कॉलेज परिसर में पंजाब सरकार के वित्त एवं योजना मंत्री, श्री मनप्रीत बादल द्वारा 'सेव वाटर' कैंपेन लॉन्च किया गया। इस कैंपेन के तहत 'वाटर वारियर' कैंपेन नामक ब्रोशर भी जारी किया गया। जिस प्रकार जल चर्चा पत्रिका के हमारे जल योद्धा अपने-अपने क्षेत्रों में जल संरक्षण की सीख देते हैं उसी प्रकार केएमवी की ये वाटर वॉरियर्स अपने कॉलेज, घर और आसपास के इलाकों में लोगों को जल की महत्ता से परिचित कराती हैं तथा उन्हें जल संरक्षण की सीख देती है। इन वाटर वॉरियर्स ने रचनात्मक तरीके से नुक्कड़ नाटक बनाकर जगह-जगह लोगों को जल संरक्षण के विषय पर स्लोगन और पोस्टर द्वारा जागरूक किया। छात्राओं ने यह भी सुनिश्चित किया कि जरूरतमंद इंसानों तक पेयजल पहुंचाया जा सके। इन्होंने कॉलेज और आसपास के खराब नलों को भी ठीक करवाया ताकि जल अनावश्यक रूप से ना बहे।

इस अवसर पर महाविद्यालय में 'कंजर्व ब्लू' नामक शार्ट डॉक्यूमेंट्री भी रिलीज की गई ताकि सभी छात्राओं को जल के महत्व व गहराते संकट से वाकिफ कराया जा सके। देश में बढ़ते जल प्रदूषण, गिरते भूजल स्तर, अत्यधिक अनावृष्टि और अतिवृष्टि जैसी समस्याओं को संज्ञान में लेते हुए ही जल शक्ति मंत्रालय की पहल जल शक्ति अभियान पर आधारित यह कैंपेन चलाया गया है। इस कैंपेन के तहत छात्राओं को जल के प्रति जागरूक किया गया और समस्या हल करने हेतु जल संचयन की अवधारणा से परिचित कराया गया।

हाल ही में 5 जून को पूरे विश्व में पर्यावरण दिवस मनाया गया था, इस अवसर पर कन्या महाविद्यलय की छात्राओं ने भी पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दिया। महाविद्यालय द्वारा ऑनलाइन माध्यम से जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीव संरक्षण जैसे विषयों पर प्रश्नोत्तरी, स्लोगन व पोस्टर बनाने की प्रतियोगिताओं का कुशल आयोजन कराया गया। इस दौरान छात्राओं को पौधारोपण के लिए भी प्रेरित किया गया। सभी छात्राओं ने अपने घर व आसपास के इलाकों में पौधा लगाते हुए तस्वीरें भी साझा की। इस प्रतियोगिता की थीम 'जैव विविधता' रखी गई तथा इसमें अलग-अलग विभागों की 150 से भी अधिक छात्राओं ने भाग लिया।

- महिला सशक्तिकरण और क्षमता का बेजोड़ उदाहरण – कन्या महा विद्यालय
- 'सेव वाटर' कैंपेन के तहत 'वाटर वारियर' नामक ब्रोशर
- जागरुकता हेतु 'कंज़र्व ब्लू' नामक डॉक्यूमेंट्री रिलीज़

इन छात्राओं ने केवल जल संरक्षण ही नहीं अपितु स्वच्छता व प्लांटेशन के क्षेत्र में भी उत्तम कार्य किए हैं। इन्होंने अपने घरों के पास के इलाकों में भी स्वच्छता अभियान चलाया और पौधारोपण किया जिससे सामुदायिक स्तर पर भी जागरूकता फैलाई जा सके और भविष्य के लिए जिम्मेदार युवा पीढ़ी का निर्माण किया जा सके। इस विद्यालय ने महिलाओं को शिक्षा के क्षेत्र में तो सशक्त किया ही है बल्कि पर्यावरण की शिक्षा देकर देश के लिए मजबूत नींव की स्थापना की है जो जागरूकता से बनी है।

<u>WORLD ENVIRONMENT DAY</u>

Online poster making competition during lock down (Covid 19) **5th JUNE 2020** Appreciated by Ministry of jal shakti (Govt. of India)

Ministry of Jal Shakti, Department of Water Resources, RD & GR
1 hr ·

Creativity comes with vision!

A beautiful and informative drawing by Simran, a XI grade student of Kanya Maha Vidyalaya Collegiate School Jalandhar, Punjab which she made as part of the online poster making competition on #WorldEnvironmentDay2020.

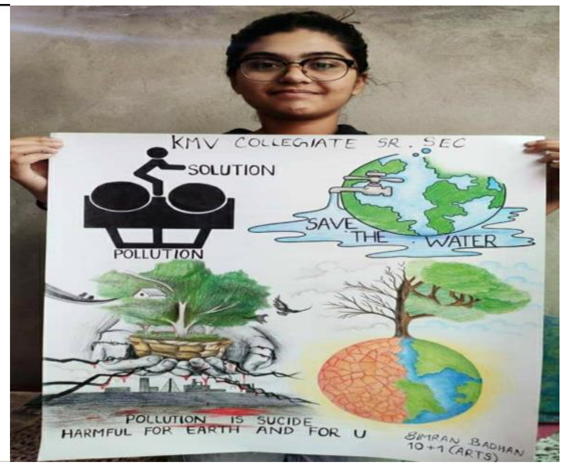

<u>WORLD ENVIRONMENT DAY- Appreciated by Jal Shakti (GoI)</u>

Online poster making competition during lock down (Covid 19)**5th JUNE 2020** Appreciated by Ministry of Jal Shakti (Govt. of India)

Ministry of Jal Shakti, Department of Water Resources, RD & GR
1 hr ·

What if it is #lockdown, the brain can always wander!

Smriti, a XII grade student of Kanya Maha Vidyalaya Collegiate School Jalandhar, Punjab made this creative painting as part of the online poster making competition on #WorldEnvironmentDay2020.#savewater

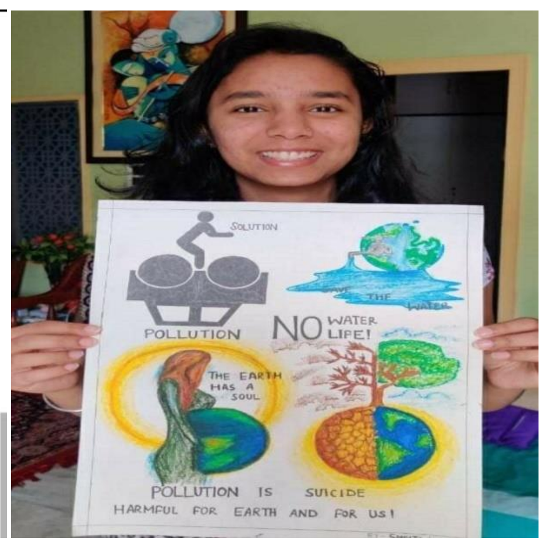

WORLD ENVIRONMENT DAY- Ministry of Environment

Online poster making competition during lock down (Covid 19)**5th JUNE 2020** Appreciated by Ministry of jal Shakti (Govt. of India) and Students also recieved certificate from **Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Government of India.**

Bhavleen and khushi bags second position in national level online poster making competition conducted by the ICAR – Indian Centre Arid Zone Research Institute, Jodhpur (Rajasthan).